<u>अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई में १३ अक्टूबर २०२३ को "कृषिवस्त्रादि और मोबिल्टेक के क्षेत्र में मानकीकरण" पर अतिथि व्याख्यान ।</u>

शिक्षा जगत आने वाली पीढ़ी के लिए गुणवत्ता चेतना के साथ समाज बनाने के लिए सीखने की सुविधा प्रदान करता है और ज्ञान, कौशल को बढ़ाता है।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा शुरू की गई नई पहल के रूप में, वस्त्रादि विभाग ने शुक्रवार, **१३ अक्टूबर २०२३** को बी.टेक/एम.टेक/पीएचडी के छात्रों के बीच ज्ञान और जागरूकता बढ़ाने के लिए **"कृषिवस्त्रादि और मोबिल्टेक के क्षेत्र में मानकीकरण"** पर अतिथि व्याख्यान दिया। व्याख्यान में लगभग **१२०** छात्रों और **अन्ना विश्वविद्यालय** के अधिकारियों ने भाग लिया।

श्री स्वप्निल, वैज्ञानिक- ख एवं सहायक निदेशक (वस्त्रादि) द्वारा **'बीआईएस की मानकीकरण गतिविधि का एक अवलोकन'** पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। छात्रों और **अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई** के अधिकारियों को बीआईएस के बारे में निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया गया: –

- बीआईएस गतिविधियों का अवलोकन
- मानक और मानकीकरण कार्य में भागीदारी के महत्व
- मानक विकास के लिए संरचना
- मानक निर्माण की प्रक्रिया और मानकों के प्रकार
- वस्त्रादि विभाग परिषद द्वारा किए गए कार्यों का अवलोकन
- मानकीकरण गतिविधि और मानक विकास के डिजिटलीकरण के लिए बीआईएस द्वारा शुरू की गई नई पहल

श्री बनोतु रंगा, वैज्ञानिक- ख एवं सहायक निदेशक (वस्त्रादि) द्वारा **'कृषिवस्त्रादि और मोबिल्टेक के क्षेत्र में मानकीकरण'** पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। प्रस्तुतीकरण में उन्होंने समिति टी एक्स डी ३५ और टी एक्स डी ३८ द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित महत्वपूर्ण भारतीय मानकों की मुख्य विशेषताओं, कार्यकारिता और परीक्षण पद्धति के बारे में **अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई** के छात्रों और अधिकारियों को अवगत कराया: –

1) आई एस 16008 (Part 1 & 2) : 2016 कृषिवस्त्रादि — कृषि और बागवानी प्रयोजनों के लिए छाया जाल — विशिष्टि
2) आई एस 15351 : 2015 कृषिवस्त्रादि — जल अवरोधक लाइनिंग के लिए लैमिनेटेड उच्च घनत्व वाले पाली इथाइलीन (एच.डी.पी.ई) की बुना भूझिल्ली — विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)

3) आई एस 16513 : 2016 कृषिवस्त्रादि — कृषि और बागवानी प्रयोजनों के लिए कीट जाल — विशिष्टि
4) आई एस 16089 : 2013 जूट कृषिवस्त्रादि — सीड्लिंग/ सैपलिंग वृद्धि के लिए सैपलिंग बैग – विशिष्टि
5) आई एस 15907 : 2010 कृषिवस्त्रादि — जिबासुब के लिए उच्च घनत्व वाले पाली इथाइलीन (एच.डी.पी.ई) के बुने हुए कियारीनुमा बिस्तर — विशिष्टि
6) आई एस 17729 : 2021 कृषिवस्त्रादि – कृषि और बागवानी अनुप्रयोगो के लिए लाचिली जल भंडारण टांकी — विशिष्टि
7) आई एस 17757 : 2022 वस्त्रादि — मोटर वाहनों के लिए टफ्टेड फर्श आवरण — विशिष्टि
8) आई एस 17758 : 2022 वस्त्रादि — मोटर वाहनों के लिए बिना बुने हुए क़ालीन/ चटाई — विशिष्टि
9) आई एस 11926 : 1987 वस्त्रादि — मोटर वाहनों टायरों के लिए पॉलियामाइड टायर कॉर्ड वार्प शीट — विशिष्टि
10) आई एस 13137 : 2003 वस्त्रादि — टायर कॉर्ड के लिए पॉलियामाइड की मज्जित वार्प शीट — विशिष्टि

सत्र के बाद एक संक्षिप्त प्रश्नोत्तर का आयोजन किया गया और छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों का समाधान किया गया। **अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई** के अधिकारियों और छात्रों द्वारा व्याख्यान और बीआईएस की नई पहल की काफी सराहना की गई। यह व्याख्यान छात्रों/अधिकारियों के लिए उनके ज्ञान वृद्धि और बीआईएस द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में जागरूकता के लिए सहायक था।

यह बताया गया कि स्वदेशी भारतीय मानकों को बीआईएस वेबसाइट से मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकता है, जिसका उपयोग छात्र/संकाय सदस्य अपने अध्ययन/अनुसंधान कार्य के लिए कर सकते हैं।

GUEST LECTURE ON "STANDARDIZATION IN THE FIELD OF TECHNICAL TEXTILES FOR AGROTECH AND MOBILTECH APPLICATIONS" ON OCTOBER 13, 2023 AT ANNA UNIVERSITY, CHENNAI.

Academia facilitates learning and enhances knowledge, skills, for upcoming generation to build a society with quality consciousness.

As a part of new initiative by Bureau of Indian Standards, Textiles department delivered guest lecture on "**Standardization in the Field of Technical Textiles for Agrotech and Mobiltech Applications**" to enhance the knowledge and awareness among students

(B.Tech/M.Tech/PhD) on Friday, October 13, 2023 at Anna University, Chennai. The lecture was attended by about 120 students and Anna University officials.

A detailed presentation on '**An Overview of Standardization Activity of BIS'** was delivered by **Shri Swapnil**, Scientist-B/Assistant Director (TXD). The students and Anna University officials were apprised of the following important aspects about BIS: −

- An overview of BIS Activity
- Standards & importance of participation in standardization work
- Structure for Standards Development
- Process of standard formulation and types of standards
- Overview of work carried out by Textiles Division Council
- New initiatives taken by BIS for Digitization of Standardization Activity and Standards Development

A detailed presentation on '**Standardization in the Field of Technical Textiles for Agrotech and Mobiltech Applications'** was also delivered by **Shri Banothu Ranga**, Scientist-B/Assistant Director (TXD). In presentation, he apprised the students and Anna university officials about the salient features, performance requirement and test method of the following important Indian standards published by the committee TXD 35 and TXD 38:

1) IS 16008 (Part 1 & Part 2) : 2016 Agro textiles – Shade nets for agriculture and horticulture purposes – Specification
2) IS 15351 : 2015 Agro textiles – Laminated high density polyethylene (HDPE) woven geomembrane for water proof lining – Specification (second revision)
3) IS 16513 : 2016 Agro textiles – Insect nets for agriculture and horticulture purposes – Specification
4) IS 16089 : 2013 Jute agro-textile – Sapling bags for growth of seedling/ sapling – Specification
5) IS 15907 : 2010 Agro textiles – High density polyethylene (HDPE) woven beds for vermiculture – Specification
6) IS 17729 : 2021 Agro-Textiles Flexible Water Storage Tank for Agriculture and Horticulture Purposes Specification
7) IS 17757 : 2021 Textiles — Automotive Tufted Floor Covering — Specification
8) IS 17758 : 2021 Textiles — Automotive Non-Woven Carpet/Mat — Specification
9) IS 11926 : 1987 Specification for polyamide tyre cord warp sheet for automotive tyres
10) IS 13137 : 2003 Textiles – Tyre cord warp-sheet Polyamide, dipped – Specification (first revision)

The session was followed by a brief Q & A and all the queries raised by students and faculty members were resolved. The lecture and the new initiative of BIS was well appreciated by officials and the students of Anna University, Chennai. The lecture was helpful for students/officials for their knowledge enhancement and awareness on various activities being carried out by BIS.

It was informed that Indigenous Indian Standards have been made freely downloadable from BIS website which can be utilized by students/faculty members for their study/research work.

G20
Chennai

General

Products under mandatory certification